Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 15-12-2006

Participants : Jindal Shri Naveen

>

Title: Resolution regarding formulation and implementation of Comprehensive Food and Nutrition Security Scheme aiming at total eradication of hunger from the country.(Discussion not concluded)

MADAM CHAIRMAN: Now, the House will take up item no. 29.

श्री नवीन जिन्दल (कुरुक्षेत्र) : महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं :

> "यह सभा संकल्प करती है कि सरकार देश से पूरी तरह से भुखमरी को मिटाने के लिए एक व्यापक खाद्य और पोाण सुरक्षा योजना तैयार करे और उसे लागू करे।"

मैं माननीय सभापति महोदया, आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं संकल्प करता हूं कि यह सरकार पूरी तरह से देश से भुखमरी को मिटाने के लिए व्यापक खाद्य और पोाण सुरक्षा योजना तैयार करे और उसे लागू करे। आज यह सदन जिस विाय पर चर्चा कर रहा है उसका संबंध देश के सबसे गरीब तबके से है। आप सभी माननीय सदस्य इस बात से सहमत होंगे कि आज के परिवेश में सभी लोगों के लिए रोटी कपड़ा और मकान आवश्यक है। लेकिन सबसे ज्यादा आवश्यक है कि दो वक्त की रोटी मिले।[r63] जैसे कहा गया है - भूखे भजन न होई गोपाला। यानी भूखे पेट व्यक्ति भजन भी नहीं कर सकता और पंजाब में एक कहावत है - "पेट न पड़ी रोटियां ते सभी गल्लां खोटियां।"

सभापति महोदया, मैं संयुक्त राट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की कुल जनसंख्या, जो सात सौ करोड़ है, उसमें से लगभग 85 करोड़ लोग कुपोाण का शिकार हैं। इसमें 22 करोड़ लोग भारत में कुपोाण का शिकार हैं। विकासशील देशों के अंदर जो सबसे ज्यादा मृत्यु होती हैं, वह एड्स या किसी अन्य बीमारी से नहीं, बल्कि कुपोाण के कारण होती है। दुनिया के माने हुए अर्थशास्त्री श्री अमर्त्य सेन के अनुसार यदि भूख पर काबू पाना है तो उसके लिए हमें आवश्यक धन, ठोस राजनीतिक संकल्प व सही नीतियों की आवश्यकता है। आज हमारे देश में अन्न की कमी नहीं हैं। लेकिन त्रुटिपूर्ण वितरण प्रणाली और अज्ञानता के चलते आज भी हमारे देश के अंदर करोड़ों लोग कुपोाण के शिकार हैं। राट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वे नम्बर तीन... (व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : जिंदल साहब, आपने इसे इंट्रोड्यूस कर दिया है, इसके बाद आपको दो-तीन घंटे खूब बोलने का समय मिलेगा। इसे अब बजट सैशन में लीजिए, आज तो कृपा कीजिए। आपका बिल एज इट इज रहेगा।

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS (SHRI P.R. KYNDIAH): Madam, I have a submission to make. Now, it is getting a bit late today. Today, the List of Business was very crowded. So, if the House desires, we can cut this Private Members' Business and this Resolution can be continued in the next Session. So, now, if the House so desires, we can take up the Zero Hour.

MADAM CHAIRMAN : I think the House agrees.

SEVERAL HON. MEMBRS: Yes.

MR. CHAIRMAN: Shri Naveen Jindal, you can continue your speech next time.

सभापति महोदया : जीरो ऑवर के बारे में हाउस का क्या विचार है, क्या जीरो ऑवर लिया जाए?

अनेक माननीय सदस्य : हां, जीरो आवर लिया जाए।